वर्ष 3 जुलाई–सितम्बर 2011 अंक 10

सी.एस.आई.आर. स्थापना दिवस

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी.एस.आई.आर.) का 69वां स्थापना दिवस 26 सितंबर 2011 को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के निदेशक डा. परमवीर सिंह आहूजा ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया तथा सी.एस.आई.आर. की प्रमुख प्रयोगशालाओं तथा संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान सेब के अवशेष से कई प्रकार के उत्पादों को बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्टीविया के क्षेत्र में भी संस्थान ने विशेष योगदान दिया है। परम्परागत ज्ञान के प्रलेखन और विनियामक शोध में संस्थान अग्रणी भूमिका निभाने जा रहा है। संस्थान जलवायु परिवर्तन का पादप संपदा पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने के लिए शोध कर रहा है। इसके लिए संस्थान ने हिमालय क्षेत्रों में विभिन्न प्रक्षेत्र स्थापित किए हैं।

हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर–हिमाचल प्रदेश

इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एण्ड बायोटेक्टोलॉजी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. नरेन्द्र टुटेजा ने "सूखा एवं लवण दबाव परिस्थितियों में आरएनए (RNA) स्प्लिसिंग से फसल सुधार" विषय पर स्थापना दिवस संभाषण दिया। अपने संबोधन में डा. टुटेजा ने वर्तमान परिस्थितियों में फसल सुधार के लिए आरएनए (RNA) स्प्लिसिंग की आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी के निदेशक डा. टी. ए. गोंज़ाल्विस ने बताया कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का स्थान अग्रणी है। उन्होंने संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी तथा आई.एच.बी.टी., पालमपुर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध में परस्पर सहयोग करेंगे।

श्री रणवीर सिंह को संस्थान की प्रौद्योगिकी के उपयोग द्वारा पुष्पोत्पादन के लिए पुरस्कार दिया गया।

संस्थान की प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रदेश के प्रगतिशील किसान श्री विनोद सोनी, प्रबन्ध निदेशक को रोगाणु मुक्त सेब, श्री जे. एल. बुटेल को गुणवतायुक्त चाय तथा श्री रणवीर सिंह को पुष्पोत्पादन के लिए आई.एच.बी.टी. तकनीक ग्रहण पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्री विनोद सोनी को संस्थान की प्रौद्योगिकी द्वारा "रोगाणु मुक्त सेब" उत्पादन के लिए पुरस्कार दिया गया।

श्री जे. एल. बुटेल को संस्थान की प्रौद्योगिकी द्वारा गुणवतायुक्त चाय उत्पादन के लिए पुरस्कार दिया गया।

सी.एस.आई.आर. स्थापना दिवस समारोह अंतर्गत स्थानीय स्कूलों के बच्चों के लिए आयोजित निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के विजेता कक्षा 4-6 से जय पब्लिक स्कूल की शगुन ने प्रथम पुरस्कार तथा द्वितीय व तृतीय स्थान मांउट कारमल स्कूल की छात्राओं ओजस्वी अवस्थी तथा सप्रिहा गौतम ने प्राप्त किया। कक्षा 7 से 9 में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला की दीपिका ने प्रथम, माउंट कारमल की साक्षी भाटिया ने द्वितीय तथा बिनवा स्कूल, बैजनाथ की मानवी कटोच ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

कक्षा 10-12 में जवाहर नवोदय विद्यालय की मेधा शर्मा ने प्रथम, न्यूगल पब्लिक स्कूल के अजीत शर्मा ने द्वितीय तथा ए.बी.एम. स्कूल ठाकुरद्वारा के अतुल ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी प्रकार हिंदी सप्ताह के अन्तर्गत स्थानीय ग्रामीण स्कूलों के विद्यार्थियों ने लिए 'टेलीविजन और समाज' विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, राजपुर की शिल्पा ने प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, पाहड़ा की साक्षी ने द्वितीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, अवैरी की राधा ने तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, बनूरी के दीपक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्थान के कर्मचारियों के लिए आयोजित 'आधुनिक जीवनशैली और हम' विषय पर आयोजित हिंदी लोकप्रिय विज्ञान लेखन प्रतियोगिता में प्रथम डा. अलका, द्वितीय श्री राहुल तथा तृतीय डा. सुभाष यादव रहे। हिंदी टिप्पण लेखन प्रतियोगिता में श्री लक्ष्मी नारायण पाण्डे ने प्रथम, श्री राजीव ने द्वितीय तथा श्री बलदेव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सी.एस.आई.आर. में 25 वर्ष की सेवा पूरा करने वाले एवं पिछले वर्ष सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के प्रकाशन की प्रोफाइल' और "कारनेशन की खेती' पर बुलेटिन का विमोचन भी किया गया।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी.एस.आई.आर.) के 69वां स्थापना दिवस दिनांक 26.09.2011 को अवसर पर संस्थान में अपनी सेवा के 25 वर्ष पूरे कर चुके कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए डा. टी. ए. गोंज़ाल्विस, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी एंव संस्थान के निदेशक डा. परमवीर सिंह आहूजा।

डा. आर. डी. सिंह

डा. अनिल सूद

डा. अरविन्द गुलाटी

डा. राजा राम

श्री राजेन्द्र कुमार टण्डन

श्री ओम प्रकाश

श्री शांति कुमार

श्री मनोज कुमार

श्री करणदीप

श्री राज कुमार

श्रीमती विमला देवी

श्री वीरेन्द्र सिंह ढडवाल

श्री पुरषोत्तम लाल

श्री जगत राम

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी.एस.आई.आर.) के 69वां स्थापना दिवस दिनांक 26.09.2011 को अवसर पर संस्थान से पिछले वर्ष सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। डा. टी. ए. गोंज़ाल्विस, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी एंव संस्थान के निदेशक डा. परमवीर सिंह आहूजा कर्मचारियों को सम्मानित करते हुये।

श्री ब्रजेन्द्र सिंह

श्री संतोष कुमार

स्कूल के बच्चे निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेते हुए।

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को पुरस्कार देते हुये डा॰ परमवीर सिंह आहूजा, निदेशक, सी. एस. आई. आर.- आई.एच. बी. टी., पालमपुर।

"Environmental Pollution"
कक्षा 4-6 के विद्यार्थी।

Shagun (First Position)
Jai Public School, Banuri,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

Ojasvi Awasthi (Second Position)
Mount Carmel School, Thakurdwara,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

Spriha Gautam (Third Position)
Mount Carmel School, Thakurdwara,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

"Advances in Communication"
कक्षा 7 से 9 के विद्यार्थी।

Deepika (First Position)
Govt. Sr. Sec. School, Kandbari,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

Sakshi Bhatia (Second Position)
Mount Carmel School, Thakurdwara,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

Manvi Katoch (Third Position)
Binwa Public School, Baijnath,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

"India's Contribution in Science and Technology"

कक्षा 10-12 के विद्यार्थी।

Medha Sharma (First Position)
JNV, Paprola, Distt. - Kangra,
Himachal Pradesh.

फोटो उपलब्ध नहीं

Ajit Sharma (Second Position)
Neugal Public School, Bindraban,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

Atul Bhuria (Third Position)
ABM Sr. Sec. School. Thakurdwara ,
Distt. - Kangra, Himachal Pradesh.

पालमपुर के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों की कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों के लिए "टेलीविजन एवं समाज" विषय पर एक हिन्दी में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल 14 बच्चों ने भाग लिया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता को संबोन्धित करते हुए संस्थान के निदेशक डा. परमवीर सिंह आहूजा।

शिल्पा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, राजपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, प्रथम पुरस्कार

साक्षी राजपूत, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, पाहड़ा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, द्वितीय पुरस्कार

दीपक, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, बनूरी को सांत्वना पुरस्कार

राधा देवी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अवेरी को सांत्वना पुरस्कार

श्री जसबीर सिंह को सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा कार्यालय में राजभाषा में कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया।

संसदीय स्थायी समिति दौरा

राज्यसभा सदस्य श्री शांता कुमार की अध्यक्षता में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति ने सोमवार दिनांक 4 जुलाई, 2011 को आईएचबीटी, पालमपुर का दौरा किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा॰ परमवीर सिंह आहूजा ने समिति को संस्थान में चल रहे शोध कार्यों तथा उपलब्धियों का ब्योरा दिया।

आई.एच.बी.टी. में शायरों और गायकों का संवाद

हिमालय जैवप्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर ने दिनांक 6 सितम्बर 2011 को हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी, शिमला के साथ मिलकर संस्थान में गज़ल की एक शाम कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उदघाटन संस्थान के निदेशक डा. परमवीर सिंह आहूजा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। अपने संबोधन में डा. आहूजा ने कहा कि वैज्ञानिक भी कलाओं का सानिध्य चाहते हैं तथा रोजमर्रा की जिन्दगी से कुछ लम्हे निकाल कर इस प्रकार के कार्यक्रमों से तरोताजा होकर अपने दैनिक काम-काज में गति ला सकते हैं। अकादमी के सचिव डा. तुलसी रमण ने सभी कलाकारों का परिचय करवाया तथा अकादमी की गतिविधियों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि अकादमी के इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल मनोरंजन अपितु शायरों और गज़ल गायकों को परस्पर संवाद करने के लिए मंच प्रदान करना भी था। यह अपने आप में प्रदेश स्तर पर पहला प्रयास था। उन्होंने इस आयोजन के लिए आई.एच.बी.टी. के निदेशक व स्टाफ को धन्यवाद किया। इस आयोजन को दो सत्रों में बांटा गया। पहले सत्र में प्रदेश के हिंदी, उर्दू, पहाड़ी के गज़लकार प्रो. ओम अवस्थी, चन्द्ररेखा डढवाल, द्विजेन्द्र द्विज, जाहिद अबरोल, नवनीत शर्मा पवनेन्द्र पवन तथा प्रीतम आलमपुरी ने

हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर–हिमाचल प्रदेश

अपनी गज़लें प्रस्तुत की। दूसरे सत्र में गज़ल गायक के रूप में श्री प्रवीण जरेट, सुश्री कृतिका ने अपनी गज़लों से समां बांधा। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिध्द शायर श्री नवनीत शर्मा ने किया।

युवा गज़लकार द्विजेन्द्र द्विज ने अपनी गज़ल को यूं बयां किया, "कोई खुद्दार बचा ले तो बचा ले वरना, पेट कांधों पे कोई सर नहीं रहने देता, एक पोरस भी तो रहता है हमारे अंदर, जो सिकंदर नहीं रहने देता"। जाहिद अबरोल ने अपनी गज़ल को कुछ यूं प्रस्तुत किया, 'मैं तेरी कैद में हूं, तू मेरी कैद है, देखें अब कौन किसे पहले रिहा करता है।' प्रीतम आलमपुरी ने पहाड़ी भाषा के साथ अपनी गज़ल 'जानी जरसा मत करा' से सभी का मन मोह लिया। सुश्री चन्द्ररेखा डढवाल ने अपने शब्दों को इस अंदाज में कहा अब तो कुछ भी कहा नहीं जाता, बक्र पर अब लिखा नहीं जाता, रेत बिखरी है पानी की जगह, इस नदी में बहा नहीं जाता, प्रो. ओम अवस्थी ने 'बरगद ही बसेरों पे जो अधिकार करेंगे, हम उनको नकारेंगे इन्हें प्यार करेंगे' गज़ल सुनाई। पवनेन्द्र पवन में वर्तमान हालात के दर्द को प्रस्तुत करते हुए कुछ यू कहा सियार जब से शेर का हुआ सलाहकार है, यह राजघर बना लुटेरों की पनाहगार है'। सतपाल ख्याल ने अपनी गज़ल 'अब दरख्तों की तरह खामोश रहना सीखिए, धूप, मिट्टी और हवा को महसूस करना सीखिए' ने सोचने के लिए मजबूर कर दिया।

हिमाचल के गज़ल गायकी के स्तंभ डा. प्रवीण जरेट व अर्की की कृतिका तनवर ने अपनी गज़लों से सबको मंत्रमुग्ध कर लिया। 'प्यार का पहला ख़त लिखने में वक्त तो लगता है' ने माहौल को रंगीन बना दिया। उन्होंने विभिन्न रागों पर आधारित कई शायरों की लोकप्रिय गज़लों को भी गाकर कार्यक्रम में समां बांधा।

Research Publications

Akshay Nag and S. Rajkumar (2011) Chromosome identification and karyotype analysis of *Podophyllum hexandrum* Roxb. ex Kunth using FISH. ***Physiol. Mol. Biol. Plants.*** 17(3): 313-316.

Akshay Nag, Sanjoy Chanda and S. Rajkumar (2011) Estimation of nuclear genome size of important medicinal plant species from western Himalaya using flow cytometry. ***J. Cell & Plant Sci*** 2(2): 19-23.

Bandna; Aggarwal Nidhi and Das Pralay (2011) Solid-supported Pd(0): an efficient heterogeneous catalyst for aerobic oxidation of benzyl alcohols into aldehydes and ketones. ***Tetrahedron Letters***, 52 (38): 4954-4956.

Bhardwaj Pardeep Kumar; Kaur Jagdeep; Sobti Ranbir Chander; Ahuja Paramvir Singh and Kumar Sanjay (2011) Lipoxygenase in Caragana jubata responds to low temperature, abscisic acid, methyl jasmonate and salicylic acid. ***Gene***, 483(1-2): 49-53.

Bhatia Anjana; Arora Saroj; Singh Bikram; Kaur Gurveen and Nagpal Avinash (2011) Anticancer potential of Himalayan plants. ***Phytochemistry Reviews***, 10(3): 309-323.

Dhir S; Ram R; Hallan V and Zaidi AA (2011) Molecular characterization of an indian variant of apple stem pitting virus: evidence of recombination. ***Journal of Plant Pathology,*** 93(2): 471-478.

Jha Ashwani; Mehra Mrigaya and Shankar Ravi (2011) The regulatory epicenter of miRNAs. ***Journal of Biosciences***, 36(4): 621-638.

Joshi Robin; Poonam; Saini Rikki; Guleria Shailja; Babu Garikapati D. Kiran; Kumari Manisha and Gulati Ashu (2011) Characterization of Volatile Components of Tea Flowers (Camellia sinensis) Growing in Kangra by GC/MS. ***Natural Product Communications,*** 6(8): 1155-1158.

Joshi Robin; Poonam and Gulati Ashu (2011) Biochemical attributes of tea flowers (Camellia sinensis) at different developmental stages in the Kangra region of India. ***Scientia Horticulturae***, 130(1): 266-274.

Kasana Ramesh Chand; Salwan Richa and Yadav Sudesh Kumar (2011) Microbial proteases: Detection, production, and genetic improvement. ***Critical Reviews in Microbiology***, 37(3): 262-276.

Kumar Amit; Chawla Amit and Rajkumar S (2011) Characterization of Solang valley watershed in western Himalaya for bio-resource conservation using remote sensing techniques. ***Environmental Monitoring and Assessment,*** 179(1-4): 469-478.

Mehta Rupali; Sharma Vikas; Sood Anil; Sharma Madhu and Sharma Ram Kumar (2011) Induction of somatic embryogenesis and analysis of genetic fidelity of in vitro-derived plantlets of Bambusa nutans Wall., using AFLP markers. ***European Journal of Forest Research***, 130(5): 729-736.

Mohanpuria Prashant; Kumar Vinay ; Ahuja Paramvir Singh and Yadav Sudesh Kumar (2011) Agrobacterium-Mediated Silencing of Caffeine Synthesis

through Root Transformation in Camellia sinensis L. ***Molecular Biotechnology,*** 48(3): 235-243.

Mohanpuria Prashant; Kumar Vinay; Ahuja Paramvir Singh and Yadav Sudesh Kumar (2011) Producing low-caffeine tea through post-transcriptional silencing of caffeine synthase mRNA. ***Plant Molecular Biology,*** 76(6): 523-534.

Rajkumar S; Sunil Kumar Singh, Akshay Nag and P.S. Ahuja (2011) Genetic structure of *Valeriana jatamansi* populations in western Himalaya revealed by AFLP. ***Biochemical Genetics*** 49: 674-681.

Shanmugam Veerubommu; Kanoujia Nandina; Singh Markandey; Singh Sukhjinder and Prasad Ramdeen (2011) Biocontrol of vascular wilt and corm rot of gladiolus caused by Fusarium oxysporum f. sp. gladioli using plant growth promoting rhizobacterial mixture. ***Crop Protection***, 30(7): 807-813.

Singh DP; Khattar JIS; Nadda J; Singh Y; Garg A; Kaur N and Gulati A (2011) Chlorpyrifos degradation by the cyanobacterium Synechocystis sp strain PUPCCC 64. ***Environmental Science And Pollution Research***, 18(8): 1351-1359.

Uniyal Anjali; Uniyal Sanjay Kumar and Rawat Gopal S (2011) Commercial Extraction of Picrorhiza kurrooa Royle ex Benth. in the Western Himalaya. ***Mountain Research and Development***, 31(3): 201-208.

दूरदर्शन वार्ता

औषधीय एवं सगंध फसलें- पूर्व स्थिति एवं भविष्य की संभावनाएं

डा. वीरेन्द्र सिंह एवं डा. आर के सूद

विदेश यात्रा

डा. संजय कुमार, वैज्ञानिक

मेलबोर्न,आस्ट्रेलिया

दिनांक 23-30 जुलाई 2011

To attend XVII International Botanical Congress – 2011

आमंत्रित व्याख्यान

प्रो. आर. के. महाजन, डीन फ़ेकल्टी साइन्स और परीक्षा नियंत्रक, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर ने दिनांक 8 अगस्त, 2011 को "Chemical Sensors based on New Ionophones" विषय पर सेमिनार दिया।

Dr. Pankaj Kumar Joshi, Sigma Aldrich delivered a seminar on "Plant Biotechnology and Transgenics" on 18.08.2011

Prof. Amar Kumar, Department of Botany, Delhi University delivered lecture on the topic entitled "Plant Nematode Interaction: the battle underground" on 19.09.2011

Dr. Sudesh Kumar delivered seminar on the topic entitled "Plant Metabolic Engineering and Epigenetic Regulation" under the faculty seminar series on August 26, 2011.

वैज्ञानिक सेमिनार श्रृंखला के अंतर्गत डॉ. नीरज कुमार "Metallophthalocyanines & Natural Product based-Organocatalysts for Important Organic Transformations" विषय पर शुक्रवार दिनांक 30.09.2011 को सेमिनार प्रस्तुत किया।

डॉ. गोपालजी झा, वैज्ञानिक, जैवप्रौद्योगिकी विभाग ने दिनांक 09.09.2011 को "Molecular cloning of a broad spectrum disease resistance gene of tomato: A passage through The Sainsbury Laboratory, John Innes Centre, Norwich, UK" विषय पर सेमिनार दिया ।

प्रशिक्षण

व्यावसायिक तौर पर महत्वपूर्ण कर्तित पुष्पों का उत्पादन और फसलोपरान्त तकनीक विषय पर 6 सितम्बर 2011 को एक प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रौद्योगिकी हस्तातंरण

14 सितम्बर 2011 को बल्ब उत्पादन के लिए लिलियम की खेती और फसलोपरांत तकनीक को नेवा प्लांटेशन, गोपालपुर को हस्तातंरित किया गया।

दिनांक 21.09.2011 को स्टीवियोसाइड की प्रक्रमण तकनीक को सी. वी. रमण कालेज आफ इंजीनियरिंग, भुवनेश्वर ओडीसा को हस्तातंरित किया गया।

समझौता ज्ञापन

दिनांक 06.08.2011 को सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर के साथ एम.एससी. कृषि जैवप्रौद्योगिकी विषय हेतु ।

दिनांक 26.09.2011 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी के साथ शोध एवं विकास हेतु ।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक डा॰ परमवीर सिंह आहूजा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं सलामी ली। निदेशक ने अपने संबोधन में बच्चों को सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा कर्मचारियों को अपने काम के द्वारा देश के विकास में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

निदेशक महोदय राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुये

निदेशक महोदय संस्थान के सुरक्षा दस्ते का निरक्षण करते हुये।

निदेशक महोदय संस्थान के स्टाफ क्लब की पत्रिका 'मंथन' का विमोचन करते हुये।

संस्थान की जैवसंपदा

वेलेरियाना जटामांसी

वैलेरियाना जटामांसी हिमालय की 1500-3000 मीटर की तुंगता वाले क्षेत्रों में पाया जाता है। *वैलेरियाना जटामांसी* के सामान्य नाम टगड़, मुस्कबाला, सुगंधबाला (हिन्दी), कलनुसारी, कलनुसारिका नटा (संस्कृत) और इंडियन वैलेरियान है। मुस्कबाला को बीजों द्वारा प्रवर्धित किया जाता है। इसे पौधे को प्ररोहों से भी प्रवर्धित किया जा सकता है। इसके लिए पौधे को, जिसमें एक से अधिक प्ररोह हो, ध्यानपूर्वक अलग किया जाता है ताकि प्रत्येक विलगित पौधे में जड़ और प्ररोह हो। इन छोटे-छोटे विलगित पौधों को प्रक्षेत्र में प्रतिरोपित किया जा सकता है। पौध को जुलाई से सितम्बर में प्रतिरोपित किया जाता है। इसकी जड़ों का उपयोग प्रशांतक, उपशामक और उद्दीपक जैसी दवाइयों में किया जाता है। मिरगी के रोग के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ों से प्राप्त वेलिपोट्रिएट में कोशिका-विष और टयूमर-रोधी गतिविधियाँ पाई जाती हैं।

मुस्कबाला की फसल दो साल बाद खोदी जाती है। नवम्बर-दिसम्बर में इसके पौधे सुसुप्तावस्था में होते हैं। अत: फसल को सर्दियों के महीनों में खोदा जाता है। पौध लगाने के 2 वर्ष बाद इसकी फसल से औसत 1 टन सूखी जड़ प्रति हे. क्षेत्र से प्राप्त की जा सकती है।

प्रकाशकः
डा. परमवीर सिंह आहूजा
निदेशक
सीएसआईआर–आई.एच.बी.टी., पालमपुर
दूरभाषः 01894–230411 फैक्सः 01894–230433
E-mail : director@ihbt.res.in
Website : http://www.ihbt.res.in
संकलन एवं संपादन :
डा. आर. डी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक
श्री मुखत्यार सिंह, पुस्तकालय अधिकारी
श्री संजय कुमार, वरिष्ठ अनुवादक
श्री जसबीर सिंह, तकनीकी सहायक
फोटोग्राफ : श्री पवित्र गाईन